an>

Title: Regarding fraudulent practices by fake companies in the name of giving employment to unemployed youths.

श्री पी.पी.चौधरी (पाली) : माननीय सभापति महोदय, मैं आपका बहुत आभारी हूं कि आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर प्रदान किया। देश भर में भारत सरकार या राज्य सरकारों की नौकरी का झांसा देकर बेरोजगारों को अपने चंगुल में फंसाने वाली कई फर्जी कम्पनियां लाखों करोड़ों बेरोजगार युवाओं को ठग रही हैं। हाल ही में राजस्थान में भारतीय किसान सेवा केन्द्र में नियुक्ति देने के नाम पर एक फर्जी कम्पनी द्वारा मेरे लोक सभा क्षेत्र सहित राज्य के कई जिलों के युवाओं से ठगी की गयी है। फर्जी कम्पनी द्वारा उस समय बेरोजगार युवाओं को साढ़े 32 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन देने का झांसा दिया गया। डाक के माध्यम से बेरोजगार युवाओं को भेजे गए नियुक्ति पत्रों के साथ कम्पनी ने काफी शर्तें ऐसी लगा रखी थीं, जिन्हें पढ़ने के बाद एक बार तो कोई भी उसके चंगुल में फंस जाए।

बेरोजगार युवाओं को भारत सरकार या राज्य सरकार के नाम से भेजे जाने वाले नियुक्ति पत्र में सिक्योरिटी राशि जमा कराने के लिए फोन पर बैंक एकाउंट नम्बर द्वारा या अन्य तरीकों से पैसे ठगे जा रहे हैं तथा रूपये जमा कराने के बाद बेरोजगारों को कोई रिस्पांस नहीं मिलता है।

महोदय, वर्तमान में मोबाइल और इंटरनेट की बढ़ती सुविधाओं के साथ ही इन सुविधाओं की मार्फत किये जाने वाले आर्थिक अपराधों और धोखाधड़ी के मामलों में भी काफी बढ़ोतरी हो रही है।

मेरा सरकार से निवेदन है कि ऐसे साइबर अपराधों को ध्यान में रखते हुए पुलिस तंत्र में व्यापक सुधार एवं आधुनिकीकरण शीघ्र किया जाना चाहिए। पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से बेरोजगार युवाओं के बीच जागरुकता पैदा करने की आवश्यकता पर बल दिया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी फर्जी कम्पनियों पर लगाम लगाकर बेरोजगार युवकों को लूटने से बचाया जा सके।